

उत्तराखण्ड करपण

अंक १४६ प्रृष्ठ ८ रुद्रपुर(अधमसिंहनगर) २ मार्च २०२३ मूल्य दो रुपया

वर्ष २३ अंक १४६

पृष्ठ ८

रुद्रपुर(अधमसिंहनगर)

बृहस्पतिवार

२ मार्च २०२३

मूल्य दो रुपया

darpan.rdr@gmail.com

9897427585

UTTARANCHAL DARPARAN

www.uttaranchaldarpan.in

नगालैंड और त्रिपुरा में भाजपा की वापसी

सहकारी बैंक ने कछ्जे में ली टेकेदार की करोड़ों की बिल्डिंग

मेघालय में त्रिशंकु सरकार बनने के आसार, नगालैंड में पहली बार चुनी गयी महिला विधायक

नई दिल्ली (उद व्यूरो) पूर्वोत्तर के तीन राज्यों त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड के विधानसभा चुनाव परिणामों की तस्वीर लगभग साफ हो गयी है। दोपहर तक आये रुझानों में नगालैंड और त्रिपुरा में भाजपा की सरकार बनना तय हो गयी है। तीनों राज्यों में फरवरी में विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग हुई थी। त्रिपुरा में 16 फरवरी को तो नगालैंड और मेघालय में 27 फरवरी को चुनाव हुए थे। अभी त्रिपुरा में बीजेपी की सरकार है, जबकि नगालैंड में बीजेपी के गठबंधन वाली नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) और मेघालय में नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की सरकार है। पूर्वोत्तर के तीन राज्यों त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड में मतगणना सुबह 8 बजे से जारी है। दोपहर बाद त्रिपुरा और नगालैंड में तस्वीर साफ होती नजर



आयी। त्रिपुरा में बीजेपी तो नगालैंड में एनडीपीपी (बीजेपी गठबंधन) की सता में वापसी लगभग तय दिख रही है। वहाँ मेघालय में त्रिशंकु सरकार बनती नजर

आ रही है। हालांकि, यहाँ मौजूदा सीएम कोनराड संगमा की पार्टी एनपीपी आगे चल रही है। तीनों राज्यों में 60-60 सीटें हैं। नगालैंड में 60 साल में पहली बार महिला विधायक चुनी गई है। एनडीपीपी की उम्मीदवार हेकानी जाखल ने जीत हासिल की है। वे नगालैंड विधानसभा के लिए चुनी गई पहली महिला विधायक हैं। नगालैंड में कोंद्रीय मंत्री रामदास आठवले की पार्टी आरपीआई (आठवले) ने दो सीटों पर जीत दर्ज की है। उधर अगरतला में मुख्यमंत्री माणिक साहा के आवास पर मिठाइयां बांटी जा रही हैं, क्योंकि भाजपा 60 में से 33 सीटों पर आगे चल रहा (शेष पृष्ठ सात पर)

हल्द्वानी। शहर के नामी गिरामी टेकेदार धनंजय गिरी की बड़ी प्रॉपर्टी को राज्य सहकारी बैंक ने अपने अधीन कर लिया है। टेकेदार धनंजय गिरी द्वारा राज्य सहकारी बैंक का करोड़ों रुपए का बकाया वापस ना करने पर राज्य सहकारी बैंक ने भारी संख्या में पुलिस फोर्स लेकर एसडीएम कोर्ट के ठीक सामने बनी एक बड़ी बिल्डिंग को अपने कब्जे में ले लिया। राज्य सहकारी बैंक के अधिकारियों का कहना है टेकेदार धनंजय गिरी को बैंक का कर्ज वापस लौटाने के कई मौके दिए गए लेकिन उसके द्वारा कर्ज वापस करने को लेकर कोई भी प्रयास नहीं किए गए। जिसके चलते उसकी इस प्रॉपर्टी पर राज्य सहकारी बैंक ने नियमानुसार अपना कब्जा कर लिया है। बता दें कि टेकेदार धनंजय गिरी के संपर्क भाजपा और कांग्रेस में काफी अच्छे हैं। लेकिन इस बार उनके यह केनेशन काम नहीं आ सके। सील की गयी प्रॉपर्टी में कई दुकानें भी हैं, जिनको धनंजय ने सेल किया था और अब उनके मालिक भी काफी परेशान हो गए हैं। उन दुकानदारों का कहना है कि उनके साथ फ्रॉड किया गया है, जिसको लेकर भी वह शिकायत कर रहे। मौके पर तहसीलदार हल्द्वानी संजय कुमार ने कहा तहसील के पास राज्य सहकारी बैंक से प्रॉपर्टी को कब्जे में लेने को लेकर पत्र आया था, जिस संबंध में पुलिस फोर्स के साथ प्रॉपर्टी को राज्य सहकारी बैंक कब्जे में ले रही है।

चट्टान गिरने से गंगोत्री हाईवे पर आवाजाही ठप

उत्तरकाशी (उद संवाददाता)। गंगोत्री हाईवे डबरानी में भारी भूस्खलन से आवाजाही ठप हो गई। गुरुवार सुबह अचानक चट्टान भरभरा कर हाईवे पर आयी।



गिरी। चट्टान के हाईवे पर भर भरे तो नगालैंड में एनडीपीपी (बीजेपी गठबंधन) की सता में वापसी लगभग तय दिख रही है। वहाँ मेघालय में त्रिशंकु सरकार बनती नजर

आयी। अलंकार डॉ. (उद संवाददाता)। सो मेंशवर पुलिस और एसओजी टीम ने गुलदार की खाल के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये तस्कर ने जहर देकर गुलदार को मारने के बाद उसकी खाल उतार ली थी। जिसे हल्द्वानी बेचने जा रहा था, लेकिन इससे पूर्व ही यह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। एसएसपी द्वारा तस्कर को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को 8,700 रुपये देकर पुरस्कृत किया है।



पर्यवेक्षण व एसओजी प्रभारी सुनीत धानिक, एनटीएफ प्रभारी सौरभ भारती व थाना अध्यक्ष सोमेशवर विजय नेगी के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम ने चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान को सी मार्ग, दौलाघट पुल के पास शक के आधार पर एक व्यक्ति को रोका गया। तलाशी में आरोपी के कब्जे से एक खाल भरामद हुई। मौके पर वन क्षेत्राधिकारी सोमेशवर मनोज लोहनी व वन क्षेत्राधिकारी अल्पोड़ा रेंज मोहन (शेष पृष्ठ 7 पर)

चाकू के साथ बदमाश गिरफ्तार

काशीपुर (उद संवाददाता)। संदिग्ध हालत में चहलकदमी करते हुए एक युवक को पुलिस ने शक के आधार पर दबोच कर तलाशी में उसके कब्जे से चाकू भरामद किया है। जानकारी के मुताबिक कोतवाली पुलिस क्षेत्र में गश्त पर थी इसी दौरान प्रतापपुर गुरुद्वारे के पास संदिग्ध हालत में चहल कदमी करते हुए एक युवक को पुलिस ने शक के आधार पर धर दबोचा। पुलिस की कड़ी पूछताछ में पकड़े गए युवक ने अपना नाम फरीदनगर ठाकुरद्वारा जनपद मुरादाबाद उत्तर प्रदेश निवासी राशिद पुत्र आरिफ हुसैन बताया। तलाशी में उसके (शेष पृष्ठ सात पर)

दुष्कर्म के प्रयास के आरोपी को भेजा जेल

निलंबित प्रधानाचार्य पर चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मी ने लगाया दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

तीन छात्राओं से भी छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में

व्यवहार करते थे। कुछ दिन पूर्व इनके द्वारा विद्यालय बंद होने के बाद उन्होंने दुष्कर्म करने के प्रयास भी किया। तहरीक के अनुसार प्रधानाचार्य अपनी इच्छा पूरी न करने पर वेतन रोकने की धमकी भी देते थे। महिला कर्मचारी ने तहरीक में कहा कि उसने खुद की विवेचनीयता को बताया है। वही नहीं महिला ने तहरीक में यह भी आरोप लगाया कि प्रधानाचार्य अक्सर उसके साथ महिला दरोगा नेहा राणा कर रही। युवती को गलत नीयत से छूकर आपत्तिजनक

की बाते करेंगे। परन्तु जब इन्हें पद से हटाया गया तो उसके बाद भी यह वर्तमान में मुझे धमकी देते हुये कह रहे हैं कि अगर तुमने छेड़छाड़ वाली बात बलात्कार करने का प्रयास करने वाली बात किसी को बताई तो मैं तुम्हें जिन्दा नहीं छोड़ूंगा, मेरे बड़े बड़े राजनीतिक लोगों से सम्बन्ध है। महिला ने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से प्रधानाचार्य उसके साथ इसी प्रकार की अश्लीलता करते चले आ रहे हैं, और इसी प्रकार शोषण करते चले आ रहे हैं। यही नहीं महिला ने तहरीक में यह भी आरोप लगाया कि प्रधानाचार्य ने विद्यालय में पढ़ने (शेष पृष्ठ 7 पर)

गांजा और तमंचे के साथ दो तस्कर किये गिरफ्तार

काशीपुर (उद संवाददाता)। बलेनो कार में गांजा लेकर जा रहे दो तस्करों को पुलिस ने 1.816 किलो गांजा और तमंचा कारतूस समेत गिरफ्तार किया गया। नशा तस्करों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत एसओजी टीम और थाना आई०टी०आई० पुलिस ने चेकिंग के दौरान हिम्मतपुर ग्राम क्षेत्र में बिना नम्बर की बलेनो कार को रोका तो उसमें सवार तीन लोगों में से एक (शेष पृष्ठ सात पर)

गैस के दाम बढ़ाने के खिलाफ सरकार का पुतला फूंका



करते थे और शोर मचाते थे। आज उनकी गैस सिलिंडर को 1100 से ऊपर पहुंचा दिया गया है। होली के समय में जब पहले से लोग घटी आमदनी से पीड़ित हैं, बेरोजगारी से पीड़ित हैं, सरकार

अरोरा डेंटल केपर

Dental Facilities / सुविधाएँ

- डॉक्टर इंट्राल्ज की सुविधा आवास किंतु में उपलब्ध
- दांतों की जांच का इलाज / RCT
- मिस्ट्री दांत लगाना / Crown, Bridge & Dental Implant
- पूरी दांतों की व्हाइट लगाना / Complete Denture
- टैटों में दांतों की सीधा कामा / Ortho Treatment
- दांतों के गंभीर किंतु / Composite Filling
- मध्यम द्वारा व्हाइट का इलाज / Ultrasonic Scaling

(15 साल का अनुभव)

1. J.K. Tower, Near Navrang Sweets, Janta Inter College Road, Rudrapur

Opp. Prabal Enclave, Near ICON School, Sidcul Bigwara Road (Rudrapur) Mo-9837081085, 9997327642

वाटर प्रूफिंग

हमारे यहां मकान की वाटर प्रूफिंग जैसे - छत का टपकना, सिलन आना, लिकीज होना, बेसमेन्ट, शौचालय, बाथरूम, किचन में सिलन आना व पानी टपकना एवं टिन शैड का कार्य सन्तोषजनक किया जाता है।

प्रो. शादाब खान
9012051994, 6399038125

आर्क होटल के पीछे, ब्राता कालोनी, बिलासपुर रोड, रुद्रपुर

Shri Shyam Properties

Deals In: Sale, Purchase And Rent Of Any Type Of Property

CONTACT NO.: 7830482222, 7500049657

OM ASSOCIATES VACANCY

We wanted a Suitable young Sales Executive for our Fenesta showroom in Rudrapur. 0-5 yr experience, having own vehicle, excellent in communication skills & good in computer.

Maa Vaishno Dwar, Ashirwad complex, Kashipur Bypass Rd, Rudrapur, Uttarakhand 263153

Mo-9012393333

भारतीय किसान यूनियन की बैठक में उठी कई मांगें

गदरपुर (उद संवाददाता)। भारतीय किसान यूनियन की मानसिक बैठक मंडी समिति सभागार में बैठिये किसान आमजीत सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र सिंह मकड़े ने बैठक में पहुंचे किसानों को संबोधित करते हुए विभिन्न प्रस्तावों के अंतर्गत लावारिस पशुओं द्वारा फसलों को



नुकसान पहुंचाए जाने पर चिंता जाते हुए उन पर लगाम लगाने सहित अन्य बांगों की भूमि के विनियोगीकरण पर लगाई गई रोक हटाने, सिंचाई नहों की सफाई करवाने, आगामी फसल गेहूं के क्रय केंद्रों को समय से खुलवाए जाने की मांग रखी। मांग पूरी ना होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई। इस मैटे पर विनोद गुंबर, हरभजन सिंह, श्यामचंद, नवी जान, वीरेंद्र सिंह, उस्मान अली आदि किसान मौजूद रहे।

मानसिक स्वास्थ्य पर संगोष्ठी आयोजित

नानकमत्ता (उद संवाददाता)। श्री गुरु नानक देव स्नातकों त्रांमहाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में मानसिक स्वास्थ्य पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन बी.एड. विभाग की तरफ से किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ प्राचार्य डॉ सीता मेहता एवं बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ. इंदु वाला सक्सेना ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बी.एड. विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. इंदु वाला सक्सेना ने बताया कि अगर आप मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं तो आप किसी कार्य को ठीक से नहीं कर सकते। इसके साथ उन्होंने यह भी



बताया कि अगर आप सकारात्मक सोच रखते हैं तो किसी भी व्यक्ति पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गोपाल सिंह के द्वारा किया गया तथा मानसिक स्वास्थ्य पर अपने विचार दिए की किस तरह व्यक्ति का शारीरिक स्वास्थ्य ठीक होने के साथ साथ उसका मानसिक स्वास्थ्य भी ठीक होना जरूरी है। मानसिक स्वास्थ्य पर बी.एड. विभाग के प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने अपने अपने विचारों को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री मनोज कुमार, श्रीमती वर्षा सक्सेना, सुश्री रशिम सारथी, डॉ. मनोज जोशी, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. सरस्वती भट्ट, श्रीमती निकिता विष्ट, सुश्री अप्सा खान, श्रीमती ज्योति राणा, सुश्री कमिनी राणा, श्री पंकज बोहरा, श्रीमती पूनम राणा तथा समस्त बी.एड. के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष ने जाना बेहड़ का हाल

किछ्चा (उद संवाददाता)। श्री श्याम मंदिर कमेटी खादू श्याम के अध्यक्ष महाराज प्रताप सिंह चौहान ने अपने करीबी रुद्रपुर निवासी विनीत जैन के माध्यम से पूर्व मंत्री व किंच्चा विधायक तिलक राज बेहड़ व उनके पुत्र सौरव राज बेहड़ को बीड़िओं काल कर उनके स्वास्थ्य का हाल चाल जाना और बीड़ियों काल पर ही उन्हें बाबा श्री श्याम के लाइव दर्शन करवाये। साथ ही बाबा के समक्ष उत्तम स्वास्थ्य हेतु अर्जी लगाई और आशीर्वाद के रूप में प्रसाद, श्री श्याम जल, स्मृति चिन्ह व विशेष रूप से श्याम प्रेमियों में महत्व रखने वाली बाबा की पोशाक विनीत जैन के माध्यम से उनको उनके नोयडा स्थित निवास पर भिजवाई।

जगदीश कलर लैब टंडन फोटो स्टूडियो

प्राइमरी पोटी
तुलना प्राप्त की
जल्दी सिंह
प्राइमरी फोटो स्टूडियो
मोबाइल, चिप, विलिटल कैमरा, येल ड्राइव,
सीडी आदि विलिटल कैमरा सुरक्षा कैमरा
कालीन बाईयो फोटो
गुरुवार कालीन बाईयो फोटो के समान गोपी में, लेन्स
E-mail: jagdieshphotostudio@gmail.com
Web: jagdieshphotostudio.com
05944-246817



Anant Graphics

निवासी

एशियन जु-जित्सु चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने जीते छह कांस्य पदक

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। बैंकॉक, थाईलैंड में अयोजित हुई सातवीं एशियन जु-जित्सु चैंपियनशिप में भारतीय जुजित्सु खिलाड़ियों ने भारत देश का परचम लहराते हुए 6 कांस्य पदक प्राप्त कर एक बार फिर भारत देश का नाम गौरवान्वित किया। जानकारी देते हुए जुजित्सु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रेंशी विनय कुमार जोशी ने बताया कि ओलंपिक कार्डिनल ऑफ एशिया (ओसीए) द्वारा अधिकृत जुजित्सु इंटरनेशनल फेडरेशन (जेजेआईएफ) व जुजित्सु एशियन यूनियन (जेजेआईयू) के नेतृत्व में दिनांक 24 से 28 फरवरी 2023 तक बैंकॉक थाईलैंड में अयोजित हुई। जिसमें एशिया के 30 देशों के 500 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया, व इस प्रतियोगिता में

भारत देश की ओर से 34 खिलाड़ियों ने भारत देश का प्रतिनिधित्व किया। जिसमें उड़ीसा राज्य की अनुपमा स्वैन ने -52 किग्रा जुजित्सु फाइटिंग इवेंट में कांस्य पदक, उत्तर प्रदेश की किरण कुमारी ने -70 किग्रा जुजित्सु फाइटिंग इवेंट में कांस्य पदक, उत्तराखण्ड राज्य की नव्या पांडे ने -45 किग्रा कॉन्टैक्ट फाइटिंग इवेंट में चीन के हॉगज़ाऊ शहर में अयोजित होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय जुजित्सु टीम में शामिल भी किया जाएगा। जिससे खिलाड़ियों को मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया द्वारा खिलाड़ियों को दी जाने वाली खेल सुविधाओं का भी लाभ मिल सकेगा। जुजित्सु एसोसिएशन ऑफ ऊधम सिंह नगर के महासचिव ऋषि पाल

दौरान मध्य प्रदेश की जुजित्सु खिलाड़ियों ने भारत देश का प्रतिनिधित्व किया। और आगे अध्यक्ष जोशी ने कहा की उक्त प्रतियोगिता में सभी पदक विजेता एवं उत्कृष्ट प्रदेश करने वाले खिलाड़ियों को ओलंपिक कार्डिनल ऑफ एशिया (ओसीए) के नेतृत्व में चीन के हॉगज़ाऊ शहर में अयोजित होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय जुजित्सु टीम में शामिल भी किया जाएगा। जिससे खिलाड़ियों को मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया द्वारा खिलाड़ियों को दी जाने वाली खेल सुविधाओं का भी लाभ मिल सकेगा। जुजित्सु एसोसिएशन ऑफ ऊधम सिंह नगर के महासचिव ऋषि पाल



ऐजे बटसर, सतनाम चावला, साधना बटसर, रघु रावत, कमल सक्सेना, गंगा मेहरा, हिमा भट्ट, मिंटू सैनी, मनदीप सहित अनेकों खेल संगठनों के पदाधिकारियों एवं खिलाड़ियों ने बधाई दी।

उत्तरांचल दर्पण

सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

संस्कृति और सभ्यता

भारत सामाजिक संस्कृति वाला देश है। समय-समय पर इसने अनेक विदेशी आक्रान्तों के आक्रमण छोले हैं। मगर उन आक्रान्तों में जिन्होंने इस देश की संस्कृति और सभ्यता को समृद्ध करने में योगदान किया, उन्हें भी अपनी स्मृति में बचाए रखा है। अतीत को भुला देना कोई अच्छी बात नहीं, मगर अतीत से बंध कर भविष्य को चौपट कर बैठने से बुरा भी कुछ नहीं। अतीत की कड़वाहटें सबक हो सकती हैं। वे दोहराई न जा सकें, इसके लिए तैयार रहना एक स्वस्थ और सभ्य समाज का लक्षण है। अतीत को मिटाने की जिद से कड़वाहटें खत्म तो नहीं होतीं, नई कड़वाहटें जरूर पैदा हो जाती हैं। ऐसी ही कुछ बातें सर्वोच्च न्यायालय ने एक याचिका की सुनवाई करते हुए कहीं। एक वकील ने याचिका दायर कर मांग की थी कि आक्रान्तों की ओर से बदले गए प्राचीन, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक स्थानों के मूल नामों का पता लगाने और दुबारा वही नाम रखने के लिए नामकरण आयोग गठित करने का आदेश दिया जाए। इस याचिका को खारिज करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अतीत को वर्तमान और भविष्य पर इतना हावी नहीं होने दिया जा सकता कि भारत अतीत का बंदी बन कर रह जाए। अदालत की इस टिप्पणी से शायद उन लोगों को कुछ सीख मिली होगी, जो मानते हैं कि जगहों, सड़कों, इमारतों आदि के नाम बदल देने से इतिहास भी बदल जाएगा। अतीत में आक्रान्तों ने जो किया, उसका बदला इस तरह लिया भी नहीं जा सकता। यह कोई नई या पहली मांग नहीं है। इससे पहले भी अनेक जगहों पर विभिन्न संगठन मांग करते रहे हैं। कई सरकारों ने जगहों, सड़कों, बागों, इमारतों आदि के नाम बदले और अपनी स्थिति के अनुसार उनके नाम रखे भी हैं। स्वाभाविक ही, इसे लेकर कहीं, विरोध तो कहीं चर्चाएं होती रही हैं। जगहों, इमारतों, सड़कों आदि का नामकरण इसलिए किया जाता है कि इस तरह हम अपने इतिहास, सभ्यता और संस्कृति से जुड़े व्यक्तियों और प्रतीकों को न सिर्फ समान देते हैं, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखने का भी प्रयास करते हैं। भारत सामाजिक संस्कृति वाला देश है। समय-समय पर इसने अनेक विदेशी आक्रान्तों के आक्रमण छोले हैं। मगर उन आक्रान्तों में से जिन्होंने इस देश की संस्कृति और सभ्यता को समृद्ध करने में योगदान किया, उन्हें भी अपनी स्मृति में बचाए रखा है। उनके नाम पर भी जगहों के नाम रखे गए हैं। यह इस देश की उदारता है कि यहां विभिन्न धर्मों और आस्थाओं के लोग आए या विकसित हुए और उन्हें यहां अपनी पहचान के साथ रहने की आजादी मिली। ऐसे में जब हम नामों को बदलने का प्रयास करते हैं, तो एक तरह से अपनी सामाजिकता और उदारता को भी नष्ट करने का प्रयास कर रहे होते हैं। शब्दों की अपनी यात्रा होती है, वे खुद समय के साथ घिस कर अपनी मूल बनावट बदल लिया करते हैं। इसलिए बहुत सारे पुराने नाम बदल कर अब दूसरी शब्द में चल पड़े हैं। इसलिए उन्हें बदल देने से कई अड़चनें तो पैदा हो सकती हैं, हासिल कुछ खास होने वाला नहीं। जब किसी जंगल, इमारत या शहर का नाम बदला जाता है, तो सारे दस्तावेजों में उसे बदलना पड़ता है। मगर केवल भारत में नहीं, पूरी दुनिया में नाम बदलने का चलन देखा जाता है। नई सरकार आती है तो पिछली सरकार की योजनाओं तक के नाम बदल देती है। भारत में अगर इस तरह एक बार जगहों के नाम बदलने का आधिकारिक सिलसिला शुरू होगा, तो फिर उसका कोई अंत न होगा। जो नाम यहां के लोगों की जहान में बसे हुए और सामाजिक संस्कृति का सूत्र बन चुके हैं, उन्हें बने रहने देने में हर्ज ही क्या।

सरकार सौर ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध: धार्मी

खटीमा (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धार्मी ने बुधवार को आई.टी.रुड़की में सौर ऊर्जा पर आधारित 'पेरोवस्काइट सोसाइटी ऑफ इण्डिया मीट-2023' में खटीमा से वर्चुअल प्रतिभाव किया। उन्होंने आईआईटी रुड़की और पेरोवस्काइट सोसाइटी ऑफ इण्डिया की टीम को सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस सेमिनार के आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत में वैकल्पिक ऊर्जा संसाधनों को बढ़ावा देकर ऊर्जा के क्षेत्र में पूर्ण सुरक्षा और स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। आज रुड़की में ऊर्जा सुरक्षा और अत्मनिर्भरता की विकासवादी सोच पर आधारित सेमिनार का आयोजन हो रहा है। सौर ऊर्जा एवं अन्य वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से देश की प्रगति में भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री ने जो किया, उसका संभावनायें हैं। राज्य सरकार सौर ऊर्जा को वर्तमान और भविष्य पर इतिहास, सभ्यता और संस्कृति से जुड़े व्यक्तियों और प्रतीकों को न सिर्फ समान देते हैं, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखने का भी प्रयास करते हैं। भारत सामाजिक संस्कृति वाला देश है। समय-समय पर इसने अनेक विदेशी आक्रान्तों के आक्रमण छोले हैं। मगर उन आक्रान्तों में से जिन्होंने इस देश की संस्कृति और सभ्यता को समृद्ध करने में योगदान किया, उन्हें भी अपनी स्मृति में बचाए रखा है। अतीत को भुला देना कोई अच्छी बात नहीं, मगर अतीत से बंध कर भविष्य को चौपट कर बैठने से बुरा भी कुछ नहीं। अतीत की कड़वाहटें सबक हो सकती हैं। वे दोहराई न जा सकें, इसके लिए तैयार रहना एक स्वस्थ और सभ्य समाज का लक्षण है। अतीत को मिटाने की जिद से कड़वाहटें खत्म तो नहीं होतीं, नई कड़वाहटें जरूर पैदा हो जाती हैं। ऐसी ही कुछ बातें सर्वोच्च न्यायालय ने एक याचिका की सुनवाई करते हुए कहीं। एक वकील ने याचिका दायर कर मांग की थी कि आक्रान्तों की ओर से बदले गए प्राचीन, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक स्थानों के मूल नामों का पता लगाने और दुबारा वही नाम रखने के लिए नामकरण आयोग गठित करने का आदेश दिया जाए। इस याचिका को खारिज करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अतीत को वर्तमान और भविष्य पर इतना हावी नहीं होने दिया जा सकता कि भारत अतीत का बंदी बन कर रह जाए। अदालत की इस टिप्पणी से शायद उन लोगों को कुछ सीख मिली होगी, जो मानते हैं कि जगहों, सड़कों, इमारतों आदि के नाम बदल देने से इतिहास भी बदल जाएगा। अतीत में आक्रान्तों ने जो किया, उसका बदला इस तरह लिया भी नहीं जा सकता। यह कोई नई या पहली मांग नहीं है। इससे पहले भी अनेक जगहों पर विभिन्न संगठन मांग करते रहे हैं। कई सरकारों ने जगहों, सड़कों, बागों, इमारतों आदि के नाम बदले और अपनी स्थिति के अनुसार उनके नाम रखे भी हैं। स्वाभाविक ही, इसे लेकर कहीं, विरोध तो कहीं चर्चाएं होती रही हैं। जगहों, इमारतों, सड़कों आदि का नामकरण इसलिए किया जाता है कि इस तरह हम अपने इतिहास, सभ्यता और संस्कृति से जुड़े व्यक्तियों और प्रतीकों को न सिर्फ समान देते हैं, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखने का भी प्रयास करते हैं। भारत सामाजिक संस्कृति वाला देश है। समय-समय पर इसने अनेक विदेशी आक्रान्तों के आक्रमण छोले हैं। मगर उन आक्रान्तों में से जिन्होंने इस देश की संस्कृति और सभ्यता को समृद्ध करने में योगदान किया, उन्हें भी अपनी स्मृति में बचाए रखा है। अतीत को भुला देना कोई अच्छी बात नहीं, मगर अतीत से बंध कर भविष्य को चौपट कर बैठने से बुरा भी कुछ नहीं। अतीत की कड़वाहटें सबक हो सकती हैं। वे दोहराई न जा सकें, इसके लिए तैयार रहना एक स्वस्थ और सभ्य समाज का लक्षण है। अतीत को मिटाने की जिद से कड़वाहटें खत्म तो नहीं होतीं, नई कड़वाहटें जरूर पैदा हो जाती हैं। ऐसी ही कुछ बातें सर्वोच्च न्यायालय ने एक याचिका की सुनवाई करते हुए कहीं। एक वकील ने याचिका दायर कर मांग की थी कि आक्रान्तों की ओर से बदले गए प्राचीन, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक स्थानों के मूल नामों का पता लगाने और दुबारा वही नाम रखने के लिए नामकरण आयोग गठित करने का आदेश दिया जाए। इस याचिका को खारिज करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अतीत को वर्तमान और भविष्य पर इतना हावी नहीं होने दिया जा सकता कि भारत अतीत का बंदी बन कर रह जाए। अदालत की इस टिप्पणी से शायद उन लोगों को कुछ सीख मिली होगी, जो मानते हैं कि जगहों, सड़कों, इमारतों आदि के नाम बदल देने से इतिहास भी बदल जाएगा। अतीत में आक्रान्तों ने जो किया, उसका बदला इस तरह लिया भी नहीं जा सकता। यह कोई नई या पहली मांग नहीं है। इससे पहले भी अनेक जगहों पर विभिन्न संगठन मांग करते रहे हैं। कई सरकारों ने जगहों, सड़कों, बागों, इमारतों आदि के नाम बदले और अपनी स्थिति के अनुसार उनके नाम रखे भी हैं। स्वाभाविक ही, इसे लेकर कहीं, विरोध तो कहीं चर्चाएं होती रही हैं। जगहों, इमारतों, सड़कों आदि का नामकरण इसलिए किया जाता है कि इस तरह हम अपने इतिहास, सभ्यता और संस्कृति से जुड़े व्यक्तियों और प्रतीकों को न सिर्फ समान देते हैं, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखने का भी प्रयास करते हैं। भारत सामाजिक संस्कृति वाला देश है। समय-समय पर इसने अनेक विदेशी आक्रान्तों के आक्रमण छोले हैं। मगर उन आक्रान्तों में से जिन्होंने इस देश की संस्कृति और सभ्यता को समृद्ध करने में योगदान किया, उन्हें भी अपनी स्मृति में बचाए रखा है। अतीत को भुला देना कोई अच्छी बात नहीं, मगर अतीत से बंध कर भविष्य को चौपट कर बैठने से बुरा भी कुछ नहीं। अतीत की कड़वाहटें सबक हो सकती हैं। वे दोहराई न जा सकें, इसके लिए तैयार रहना एक स्वस्थ और सभ्य समाज का लक्षण है। अतीत को मिटाने की जिद से कड़वाहटें खत्म तो नहीं होतीं, नई कड़वाहटें जरूर पैदा हो जाती हैं। ऐसी ही कुछ बातें सर्वोच्च न्यायालय ने एक याचिका की सुनवाई करते हुए कहीं। एक वकील ने याचिका दायर कर मांग की थी कि आक्रान

परीक्षाओं में साक्षात्कार की व्यवस्था समाप्त करेगी सरकार

मुख्यमंत्री धामी ने हल्द्वानी में आयोजित आभार रैली में की बड़ी घोषणा

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने हल्द्वानी में नकल विरोधी कानून लागू करने के उपलक्ष्य में आयोजित आभार



रैली में प्रतिभाग कर जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री श्री धामी ने इस अवसर पर घोषणा की, कि समूह

'ग' की कोई भी परीक्षा चाहे वह लोक

सेवा आयोग से बाहर की हो या लोक सेवा आयोग के द्वारा कराई जा रही हो, सभी परीक्षाओं में साक्षात्कार की व्यवस्था तकाल प्रभाव से समाप्त कर दी जाए। उन्होंने कहा कि इसमें तकनीकी और गैर तकनीकी पद भी सम्प्लित होंगे। उच्च पदों में जहाँ साक्षात्कार आवश्यक हो, जैसे पीसीएस या अन्य उच्च पद वहाँ भी साक्षात्कार का प्रतिशत कुल अंकों के 10 प्रतिशत से ज्यादा नहीं रखा जाएगा। साक्षात्कार के अंकों को भी पारदर्शी प्रक्रिया के तहत साक्षात्कार में किसी भी अध्यर्थी को यदि 40 प्रतिशत से कम और 70 प्रतिशत से अधिक दिए जाते हैं तो साक्षात्कार लेने वाले व्यक्ति या बोर्ड को इसका स्पष्ट कारण बताना होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं के हिस्से की सफलता का कोई और लाभ न उठा सके

इसके लिए राज्य सरकार कड़े से कड़ा कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। इन्हीं कदमों के अंतर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए सरकार ने देश का सबसे कड़ा नकल विरोधी कानून बनाया है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि सरकार के लिए राज्य की जनता सर्वोपरि है और हमारा हर एक फैसला जन भावनाओं के आधार पर लिया जा रहा है। समाज के हर वर्ग के जीवन स्तर को ऊंचा उठाए जाने पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम ऐसा बजट लाने का प्रयास करेंगे जो प्रदेश के युवाओं की आशाओं और आकाश्वाङों के अनुरूप होगा। हम आने वाला बजट में प्रदेश की माताओं और बहनों को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य करेंगे और प्रदेश के किसानों को खुशहाली प्रदान करने का भी प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री

श्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार का निरंतर प्रयास है कि आम लोगों का जीवन सुगम बनाया जा सके। आम जन की प्रगति, विकास से ही उत्तराखण्ड को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाना है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की नीतियां सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि लिए भविष्य में भी जो सुझाव आएंगे उन्हें भी हमारी सरकार आवश्यकता के अनुसार लागू करेगी। इस दौरान केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट, कैबिनेट मंत्री श्री सौरभ बहुगुणा, विधायक श्री अरविंद पांडे, श्री दीवान सिंह, श्री मोहन सिंह बिष्ट, श्रीमती सरिता आर्या, श्री राम सिंह केंद्रा, श्री शिव अरोड़ा समेत कई लोग उपस्थित थे।

अचानक सीबीआई प्रेम कैसे हो गया हम जांच से पीछे नहीं हटेंगे : धामी

हल्द्वानी। सीएम धामी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अचानक इन लोगों को सीबीआई से प्रेम हो गया है। पहले किसी के खिलाफ सीबीआई जांच करती थी तो उसे उत्पीड़न बताया जाता था। अब सीबीआई जांच की बात की जा रही है। इन लोगों की मंशा ही ठीक नहीं है। अगर सीबीआई जांच होती तो परीक्षाओं में व्यवधान आता। पहले सभी परीक्षाएं होंगी। अगर जरूरत हुई तो सीबीआई जांच भी कराई जाएगी। इसके लिए सरकार पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा कि नकल विरोधी कानून पारित होने पर उत्तराखण्ड की समस्त जनता को हार्दिक बधाई देना चाहता है। केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्यमंत्री अजय भट्ट ने कहा कि धामी सरकार ने नकल विरोधी कानून लाकर इतिहास रचा है। इससे पहले एकीकृत उत्तर प्रदेश के समय राजनाथ सिंह नल्ये कदम उठाया था। उन्होंने कहा कि देश में 90 हजार स्टार्टअप शुरू हुए हैं। केंद्र और राज्य की सरकार लगातार लोगों के हितों के लिए कार्य कर रही है। इससे पहले भाज्युमो ने नकल विरोधी कानून लागू होने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया। रैली संयोजक व कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि यहाँ का युवा भटकने वाला नहीं है। सरकार लगातार मातृशक्ति को और सशक्त करने और युवाओं के हितों के लिए कार्य कर रही है। वर्ष-2022 में जो वायदे किए थे, उन्हें 2027 तक पूरा किया जाएगा। रैली की अध्यक्षता कर रहे भाज्युमो प्रदेश अध्यक्ष शाश्वत रावत ने कहा कि देश में 2000 से 2014 तक सब कुछ ठप था। केंद्र में मोदी सरकार आने के बाद तेजी से विकास शुरू हुआ। आभार रैली में ऊधमसिंह नगर और नैनीताल जिले से कई जनप्रतिनिधि भी पहुंचे थे।



महाविद्यालय में मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

छात्र-छात्राओं को दी जैविक खेती एवं हाईड्रोफोनिक कृषि की जानकारी

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ उच्च शिक्षा निदेशालय हल्द्वानी के उपनिदेशक डा. आर एस भाकुनी, एवं महाविद्यालय के प्रचाराय डा.

कमल किशोर पाण्डे ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर के.के. पाण्डे द्वारा की गयी। उन्होंने मुख्य अतिथि का बैच अलंकरण कर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उत्तराखण्ड जैव प्रौद्योगिकी परिषद, हल्द्वानी के वैज्ञानिक डा. मनिंद्र मोहन ने छात्राओं को जैविक खेती एवं हाईड्रोफोनिक कृषि के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम का विषय ग्लोबल साइंस फॉर ग्लोबल बैलेबिंग रहा। जिसके बारे में महाविद्यालय के वरिष्ठ भाषण, निबंध व पोस्टर प्रतियोगिताओं



का आयोजन भी हुआ। भाषण में हिमानी लोहनी प्रथम, समीक्षा द्वितीय और स्मृति तृतीय रही। निबंध लेखन में अनुज गंगवार प्रथम, आदित्य वर्मा द्वितीय, कैलाश कुमार और धीरज कार्यक्रम के सफल सम्बन्धित विजेताओं और आकाश्वाङों को व्यान दिये। कार्यक्रम के अंत में गंगवार तृतीय रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में हिमानी प्रथम, भावना द्वितीय और बविता तृतीय रही। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय साइंस पॉपुलराइजेशन सेल के सदस्य डा. रवीश त्रिपाठी ने

कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु उत्तराखण्ड स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी देहरादून एवं विज्ञान भारती उत्तराखण्ड द्वारा प्रदत्त सहयोग पर धन्यवाद ज्ञापित किया। साइंस पॉपुलराइजेशन के समन्वयक डॉ. भारत पाण्डे ने जी-20 की अध्यक्षता और वैश्विक मंच पर भारत की ओर से विज्ञान के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों व योगदान के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डा. पीसी सुयाल, डा. कमला भारद्वाज, डा. पूनम रैतेला, डा. कमला बोरा, डा. राधेन्द्र मिश्र, डा. बीपी सिन्हा, डा. रम्मा साह, डा. प्रदीप कुमार, डा. सुरील मौर्या, डा. अपर्णा सिंह सहित शोधार्थी, छात्र संघ पदाधिकारी एवं विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सुरेन्द्र नगर की टीम ने सेमीफाईनल में किया प्रवेश

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)। नगर बंगली कल्याण समिति के अध्यक्ष राजा हालदार, नरेश साना, चंद्र राय चौकी प्रभारी जगदीश

सुरेन्द्रनगर के कप्तान धीरज ने गोल दाग कर दबाव बना दिया तो अंतिम क्षणों में विश्वजीत ने 2 गोल दागकर सेमीफाईनल में प्रवेश किया। देवनगर की टीम ने संघर्ष किया पर तकनीकी रूप में बहुत कमी थी। कमेंटर जयंत मंडल, पंकज राय स्कोरर सुजीत विस्वास के सदस्य डा. रवीश त्रिपाठी ने

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)। टी-एल-बी फिल्म्स व जी डब्ल्यू एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्म एनजीओ आप लोगों के मध्य बहुत जल्द नजर आएगी यह फिल्म पलायन, राजनीतिक समीकरण, एनजीओ, और लव ट्रायंगल का मिश्रण है। जिसमें अहम भूमिका में उत्तराखण्ड के रुद्रपुर, शक्ति फार्म, काली नगर, हल्द्वानी के स्थानीय कलाकार अपनी अहम भूमिका में नजर आएंगे। जिसमें संजय बाढ़ाड़, रेनू मौर्य, एनी गौतम, दीपक गौतम, चंदन गौतम, सुभान खान, सरफराज खान, संजय शाह, नारायण शाह, सबाहत हुसैन खान इत्यादि लोग अपनी

आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम तीव्री, व्यापार मंडल अध्यक्ष रवींद्र अग्रवाल ने संयुक्त रूप से मैच का उद्घाटन किया। दूसरे हाफ में

प्रधान राजा हालदार, नरेश साना, गोविंद देवनगर, अजय साना, रोहित मिरबहर आदि लोग मौजूद रहे।

शक्तिफार्म के संजय बाढ़ाड़ हिंदी फिल्म एनजीओ में नजर आएंगे

अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म में बतौर प्रोड्यूसर एनी गौतम,

बातचीत के दौरान यह ज्ञात हुआ कि यह फिल्म तीन कहानियों का समावेश है जिसमें शक्ति फार्म के संजय बाढ़ाड़ मुख्य भूमिका में हैं। बता दें संजय बत